

APM-01

सत्रीय कार्य पुस्तिका
स्नातक उपाधि कार्यक्रम
समाकलित पीडक प्रबंधन
में
व्यवहार-मूलक पाठ्यक्रम

(1 जनवरी, 2022 से 31 दिसंबर, 2022 तक वैध)

सत्रांत परीक्षा के लिए फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य
जमा करना अनिवार्य है।



विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

(2022)

प्रिय विद्यार्थी,

हम उम्मीद करते हैं कि स्नातक उपाधि कार्यक्रम में अपनायी गयी मूल्यांकन पद्धति से आप भली-भांति परिचित हैं। आपके नामांकन के बाद हमने आपको ऐच्छिक पाठ्यक्रम की एक कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग हैं उसे कृपया दुबारा पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं निरन्तर मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको **एक सत्रीय कार्य** करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

इससे पहले कि आप किसी प्रश्न का उत्तर लिखें, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के आधार पर विवरण लिखें।

नामांकन संख्या :
नाम :
पता :

पाठ्यक्रम संख्या :
पाठ्यक्रम शीर्षक :
सत्रीय कार्य संख्या :
अध्ययन केंद्र :
	दिनांक :

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गये प्रारूप का सही अनुसरण करें।

- 2) अपना उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप कागज़ का इस्तेमाल करें, जो ज़्यादा पतला न हो।
- 3) प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 से. मी. की जगह छोड़ें।
- 4) आपके उत्तर स्पष्ट होने चाहिए।
- 5) प्रश्नों के हल लिखते समय, स्पष्ट संकेतों द्वारा बताएं कि किस प्रश्न का कौन सा भाग हल किया जा रहा है।
- 6) यह सत्रीय कार्य 1 जनवरी, 2022 से लेकर 31 दिसम्बर, 2022 तक वैध हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका के मिलने के 12 हफ्तों के अन्दर ही सत्रीय कार्य पूरा करने की कोशिश कीजिए, ताकि सत्रीय कार्य का एक शिक्षण साधन की तरह उपयोग हो सके। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त होने वाली उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- 7) परीक्षा फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है।

अपनी उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी ज़रूर रखिए।

शुभकामनाओं के साथ।

सत्रीय कार्य
(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : APM-01
सत्रीय कार्य कोड : APM-01/TMA/2022
कुल अंक : 100

1. IPM को परिभाषित कीजिए। इसकी प्रमुख युक्तियों तथा नीतियों पर चर्चा कीजिए। (10)
2. IPM में निदर्शों तथा सुदूर संवेदन की भूमिका का वर्णन कीजिए। (10)
3. IPM की यांत्रिक तथा भौतिक नियंत्रण पद्धतियों का वर्णन कीजिए। (10)
4. जैव नियंत्रण IPM का प्रमुख घटक क्यों है ? इसके गुणों तथा दोषों का वर्णन कीजिए। (10)
5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए : (10)
 - (क) कृषक खेत स्कूल
 - (ख) पादप स्वास्थ्य निदानिकाएँ
6. IPM को सतत् कृषि का मुख्य घटक क्यों माना जाता है? चर्चा कीजिए। (10)
7. निम्नलिखित में अंतर बताइए : (10)
 - क) तीव्र विषाक्तता तथा चिरकालिक विषाक्तता।
 - ख) परजीवी तथा परजीव्याभ।
 - ग) बहुफसल तथा अंतरफसल।
 - घ) पीड़क पुनरुत्थान तथा पीड़क प्रतिस्थापन।
 - ङ) प्रत्यक्ष पीड़क तथा अप्रत्यक्ष पीड़क।
8. समाकलित पीड़क प्रबंधन को प्रोत्साहन करने के लिए अपनाई जाने वाली विभिन्न कार्यनीतियों की चर्चा कीजिए। (10)
9. निम्नलिखित फसलों में से प्रत्येक के दो पीड़कों का नाम और उनसे होने वाली क्षति का स्वरूप लिखिए : (20)
 - क) धान
 - ख) कपास
 - ग) भिंडी
 - घ) आम
 - च) गन्ना